समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

मध्य प्रदेश के नेताओं के लिए AI सिरदर्द: फेक फोटो वायरल होने से बढ़ी चिंता

Publisher

Published on 19 Sep 2025

मध्य प्रदेश के नेताओं के लिए **AI तकनीक** अब सिरदर्द बन गई है। कई नेताओं ने दावा किया है कि उनकी फेक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिससे उनका व्यक्तिगत और राजनीतिक छवि प्रभावित हो रहा है। इस मामले पर **आलोक शर्मा** सहित कई नेताओं ने गंभीर आपत्ति जताई है और डिजिटल सुरक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

AI तकनीक और वायरल फोटो

पिछले कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर **AI तकनीक** का इस्तेमाल बढ़ गया है। लोग इस तकनीक की मदद से सुंदर और रचनात्मक फोटो बना रहे हैं। उदाहरण के लिए, प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** के जन्मदिन के अवसर पर कुछ लोगों ने AI के जरिये उनके साथ बैठकर फोटो बनाई और सोशल मीडिया पर खूब वायरल की। यह दिखाता है कि AI अब केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि किसी की छवि बदलने और भ्रम फैलाने के लिए भी इस्तेमाल हो रहा है।

नेताओं की चिंता

मध्य प्रदेश के **मंत्री, विधायक और सांसद** अब ऐसे वायरल फोटो से परेशान हैं। उन्होंने बताया कि उनके साथ **मछली कांड** और अन्य विवादित मामलों के आरोपियों की फोटो मिलाकर फेक तस्वीरें बनाई जा रही हैं। इन फेक फोटो को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल किया जा रहा है, जिससे नेताओं की प्रतिष्ठा और सामाजिक छवि प्रभावित हो रही है।

एक वरिष्ठ मंत्री ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, “यह सिर्फ हमारी तस्वीरों का मजाक नहीं है। ऐसे फोटो से हमारे राजनीतिक करियर और जनता में हमारी छवि प्रभावित होती है। AI तकनीक के कारण अब हर नेता को सतर्क रहना पड़ रहा है।”

आलोक शर्मा की आपत्ति

केंद्रीय मंत्री **आलोक शर्मा** ने भी इस मामले पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फेक फोटो के बढ़ते मामले चिंता का विषय हैं। शर्मा ने मीडिया से कहा, “अगर AI तकनीक का गलत इस्तेमाल हो रहा है, तो इसके लिए कानून और

साइबर सुरक्षा एजेंसियों को कड़ा कदम उठाना चाहिए। नेताओं और आम जनता की सुरक्षा अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी जरूरी हो गई है।"

सोशल मीडिया और राजनीति

विशेषज्ञों का मानना है कि AI तकनीक और सोशल मीडिया का इस्तेमाल राजनीति में भी तेजी से बढ़ रहा है। फेक फोटो और वीडियो के जरिये नेताओं की छवि प्रभावित करना अब आम हो गया है। राजनीतिक विश्लेषक डॉ. मीनाक्षी सिंह कहती हैं, "AI तकनीक ने नेताओं के लिए नई चुनौती पैदा कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली फर्जी तस्वीरें जनता की राय को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए डिजिटल जागरूकता और कानून की जरूरत पहले से ज्यादा बढ़ गई है।"

डिजिटल सुरक्षा और समाधान

मध्य प्रदेश के नेताओं का कहना है कि उन्हें अब डिजिटल सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कदम उठाने पड़ रहे हैं। इसमें सोशल मीडिया निगरानी, कानूनी शिकायतें और साइबर सुरक्षा उपाय शामिल हैं।

एक विधायक ने कहा, "हम सभी नेताओं को सतर्क रहना होगा। AI और सोशल मीडिया का इस्तेमाल मनोरंजन या सूचना के लिए हो, लेकिन फर्जी फोटो और गलत प्रचार से बचाव के लिए हमें कदम उठाने होंगे।"

विशेषज्ञों के अनुसार, फेक फोटो और वीडियो को पहचानने के लिए **AI आधारित सत्यापन तकनीक** और सोशल मीडिया कंपनियों के सहयोग की जरूरत है। इसके बिना राजनीतिक और सामाजिक छवि को बचाना मुश्किल होगा।

मध्य प्रदेश के नेताओं के लिए AI अब केवल तकनीक नहीं बल्कि एक नई चुनौती बन गया है। फेक फोटो और वायरल इमेज ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनकी प्रतिष्ठा को प्रभावित किया है। नेताओं ने साइबर सुरक्षा और कानूनी उपायों की जरूरत पर जोर दिया है।

यह मामला यह दर्शाता है कि डिजिटल दुनिया में छवि और प्रतिष्ठा की सुरक्षा अब राजनीतिक और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर जरूरी हो गई है। भविष्य में AI तकनीक का सही और नैतिक इस्तेमाल ही नेताओं और जनता दोनों के हित में होगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.